हर गांव में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना हमारा संकल्प : बिरला

ओम बिरला ने 13.5 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

कोटा, (निसं)। इटावा-सुल्तानपुर पंचायत समिति क्षेत्र में 13.5 करोड़ के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम समारोह आयोजित हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि कोटा-बूंदी अन्नदाताओं की धरती है, हमारे किसान समृद्ध होंगे तो यह क्षेत्र भी प्रगति की नई ऊंचाईयां छूएगा। हर गांव में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, हर खेत तक पानी और हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर हम तेजी से काम कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

कोटा-बून्दी की जनता का आशीर्वाद मेरे लिए प्रेरणा है। आम जनमानस के जीवन में सामाजिक और आर्थिक बदलाव आए, इसके लिए मिलकर काम करेंगे। सभी विकास कार्य समयबद्ध रूप से पूरे होंगे ताकि क्षेत्र की बुनियादी आवश्यकताएं भी पूरी हो और लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि बीते 5 वर्षों में ग्रामीण रोड कनेक्टिविटी में तेजी से सुधार हुआ है। कई प्रमुख सड़कों का निर्माण जारी है, कई काम जल्द शुरू होने हैं। इटावा-सुल्तानपुर क्षेत्र के सभी गांवों को सड़कों से जोड़ेंगे। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के काम भी जल्द पूरा होगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें। डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष प्रबन्ध किए जाएंगे।

बिरला ने कहा कि इटावा-खातौली क्षेत्र की जिला मुख्यालय से दूरी अधिक है। यहां के नागरिकों को उपचार के लिए 100 किमी दूर जाना पड़ता था। इटावा में उप जिला चिकित्सालय स्वीकृत हो गया है, जल्द ही इसका निर्माण कार्य भी शीघ्र शुरू होगा, इसके साथ ही ट्रोमा अस्पताल का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 6 उप स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा कि इटावा बाइपास का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा, मंडी तक किसानों की पहुंच सुगम होगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। बिरला ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगा। इकॉनोमिक कोरिडोर बनने से किसान के लिए देश की बड़ी मंडियों के द्वार खुल जाएंगे।

बिरला ने किसानों से आग्रह किया कि वे आधुनिक खेती की ओर रुख करें और पारंपरिक खेती के साथ-साथ फलदार पौधों का भी रोपण करें। उन्होंने यह भी कहा कि कोटा और बूंदी क्षेत्र में एग्रो बेस्ड इंडस्ट्री के लिए अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योगों के विकास से किसानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। बिरला ने कहा कि कोटा-बूंदी क्षेत्र में हमने गर्भस्थ शिशु और मातृ स्वास्थ्य की रक्षा के लिए "सुपोषित मां अभियान" की शुरुआत की है।

इन विकास कार्यों की मिली सौगात :- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के अंतर्गत सुल्तानपुर पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम पंचायत लाखसनीजा के ग्राम फतेहपुर खुश्क, ग्राम पंचायत निमोदा के ग्राम छीपड़दा, ग्राम पंचायत बनेठिया के ग्राम जहांगीरपुरा में और इटावा पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम पंचायत बालूपा, करवाड़ और ग्राम पंचायत दुर्जनपुरा के ग्राम बाड़ोली में नवीन स्वीकृत उप स्वास्थ्य केन्द्र का शिलान्यास व दोनों पंचायत समिति क्षेत्र में सीसी सड़क इन्टरलॉकिंग, सामुदायिक भवन, विद्यालयों में कक्षाएं, खेल मैदान, मुक्तिधाम, पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास हुआ।

फेसबुक विज्ञापन के जरिए ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

सात मोबाइल फोन व चार सिम कार्ड बरामद किये

भीलवाड़ा की सदर थाना पुलिस ने ठगी करने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सदर थाना पुलिस ने फेसबुक विज्ञापन के जरिए ठगी करने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने सात मोबाइल फोन व चार सिम कार्ड बरामद किये।ये दोनों ठग फेसबुक पर पेपरकप का फर्जी विज्ञापन देकर लाखों की ठगी को अंजाम दे चुके थे।

■ ठगों से प. बंगाल, बिहार एवं अन्य राज्यों से पीड़ितों से लाखों की ठगी का खुलासा हुआ

जानकारी के अनुसार, पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाये जा रहे साइबर शील्ड अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेश से प्रतिबिंब पोर्टल पर प्राप्त संदिग्ध मोबाइल के सिमधारक के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई के लिए सदर थाने की टीम गठित की। टीम ने सिमधारक के एड्रेस मकान नंबर 42 काशी विहार कॉलोनी, हलेड रोड, भीलवाड़ा पर दबिश दी। इस मकान पर गढ़ के पास गढ़वर, मालपुरा टोंक निवासी राजवीर सिंह (30) पुत्र भवानी सिंह खंगारोत व बदनपुरा, काछोला निवासी नरेन्द्र सिंह (30) पुत्र भगवान सिंह शक्तावत मिले। इनके कब्जे से पुलिस ने 7 मोबाइल फोन व 4 सिम कार्ड बरामद किये। इनका विश्लेषण करने पर दोनों युवकों द्वारा अलग-अलग फेसबुक पर पोस्ट एवं स्टोरी के जरीये हॉलसेल रेट पर डिस्पोजल पेपरकप उपलब्ध होने के विज्ञापन पोस्ट कर लोगों से राशि ठगी की जा रही है। ऐसे साक्ष्य पुलिस को मिले। सभी मोबाइल में लगे सिमकार्ड अन्य लोगों के नाम से जारी होने का पता चला।

पुलिस का कहना है कि दोनों युवकों द्वारा मोबाइल फोन में फेसबुक पर विज्ञापन देकर लोगों को पेपरकप हॉलसेल रेट पर बेचने के नाम पर ठगी कर राशि हड़पने व विभिन्न कूटरचित दस्तावेजों से मोबाइल सिम को जारी करवाकर उनको इस्तेमाल करना पाया जाने पर केस दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों ठगों से पश्चिम बंगाल, बिहार एवं अन्य राज्यों से पीड़ितों से लाखों रूपये की ठगी का खुलासा हुआ है।

नकबजनी का एक आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने नकबजनी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यू हाउसिंग बोर्ड के एक मकान में हुई चोरी का खुलासा किया है।

■ पुलिस ने मकान में हुई चोरी का खुलासा किया

शहर कोतवाली राजपाल सिंह के अनुसार, न्यू हाउसिंग बोर्ड एफ सेक्टर निवासी भुवनेश भटनागर ने 4 जनवरी को रिपोर्ट दी कि वे परिवार सहित उदयपुर गये थे। वहां से लौटने पर मकान के ताले टूटे मिले। सार-संभाल करने पर 90 हजार रुपये की नकदी, सोने के टोप्स, अंगूठी, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, चांदी की अंगूठी, सिक्के, गणेशजी की चांदी की मूर्ति, अन्य मूर्तियां आदि गहने गायब मिले। इस रिपोर्ट पर केस दर्ज किया गया। जांच एएसआई मदनलाल खटीक के जिम्मे की गई। कोतवाल सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने वारदात का खुलासा करते हुये नेहरु विहार निवासी दुर्गेश (29) पुत्र नाथूलाल सैन को गिरफ्तार कर चोरी का कुछ माल भी बरामद किया है। पुलिस टीम द्वारा परंपरागत पुलिसिंग के जरिए दुर्गेश सेन से गहनता से पूछताछ कर उसे गिरफ्तार किया गया है।

नीमकाथाना जिला बनाने की मांग

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर 17 वें दिन भी हड़ताल जारी रही, जिसमें भूख हड़ताल पर बलदेव यादव, चन्द्रशेखर जाखड़, विरेन्द्र स्वामी, मोनू भावरिया, केशव सैनी ने नीमकाथाना जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठकर धरने को जारी रखा। धरने पर बैठे लोगों में जोश देखा गया। वहीं उनकी एकजुटता में निरंतर बढ़ोतरी भी हो रही है। जिले को पुनः बहाल को लेकर राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन धीरे-धीरे इस आंदोलन से जुड़ रहे हैं, जिससे इसका प्रभाव और भी व्यापक हो रहा है। यह समर्थन आंदोलन को मजबूती प्रदान कर रहा है और आगे भी इससे जुड़े लोग इस संघर्ष को निरंतर जारी रखने का संकल्प ले रहे हैं। कई प्रमुख नेता भी इस आंदोलन के समर्थन में सामने आए है, जिससे आंदोलन को और अधिक मजबूती मिल रही है। लोग अब इस संघर्ष को सिर्फ एक पेशेवर मुद्दा नहीं, बल्कि एक जनांदोलन के रूप में देख रहे हैं।

डीडवाना में पटवारियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी, लोग परेशान

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में पटवारियों की हड़ताल लगातार जारी है और गुरुवार को चौथे दिन भी पटवारी धरने पर बैठे हैं। पटवार घर आज भी बंद रहे। इसकी वजह से आम लोगों के रोजमर्रा के काम बाधित हो रहे हैं। लोगों को किसी भी प्रकार के दस्तावेजों की नकलें प्राप्त नहीं हो रही है। हालांकि लोग पटवार घरों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन यहां आने पर उन्हें पटवार घर बंद नजर आ रहे हैं, जिसके कारण लोगों को बैरंग ही वापस लौटना पड़ रहा है।

■ अपनी मांगों को लेकर क्षेत्र के पटवारी चार दिन से हड़ताल पर हैं

■ पटवारियों की हड़ताल से लोगों के रोजमर्रा के काम बाधित हुये

पटवारियों की हड़ताल के कारण लोगों को जमीनों से संबंधित दस्तावेज की नकलें प्राप्त नहीं हो पा रही है। लोग पटवार घरों में जमाबंदी, गिरदावरी, मिलान क्षेत्रफल और ट्रैस नक्शा के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर पटवारी के हस्ताक्षर के लिए पटवार घर पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें पटवार घरों से बिना किसी काम के वापस लौटना पड़ रहा है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर क्षेत्र के पटवारी पिछले चार दिनों से हड़ताल पर है। उनका कहना है कि पटवारियों के पास भूमि संबंधित दर्जनों काम है।

इसके अलावा किसानों और आम जनता से जुड़े काम भी पटवारी को ही करने होते हैं, लेकिन सरकार द्वारा पटवारियों को कोई भी संसाधन उपलब्ध नहीं करवाए जा रहे। पटवारियों का कहना है कि उन्हें गिरदावरी ऐप से गिरदावरी करने में समस्याएं हो रही है, क्योंकि यह ऐप खेतों में काम ही नहीं कर रहा। खेतों में ना तो नेटवर्क आता है, ना ही ऐप सही ढंग से संचालित हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर पटवारियों पर जिला प्रशासन द्वारा कार्य का अत्यधिक भार डाल दिया गया है। इसके अलावा भी पटवारियों की कई मांगें लंबे समय से लंबित पड़ी है और सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में पटवारियों ने चेतावनी दी कि सरकार ने अगर उनकी मांगें नहीं मांगी तो उनकी हड़ताल आगे भी जारी रहेगी।